SYLLABUS

For

ONE YEARS MA Hindi PROGRAMME

(Programme Structure & Syllabus)
(Uttar Pradesh NEP-2020 P.G. Course Structure aligned with FYUGP of UGC)

w.e.f. Academic Session 2025-26

Glocal School of Arts and Social Science

GLOCAL UNIVERSITY
Delhi-Yamunotri Marg (State Highway 57),
Mirzapur Pole,Dist - Saharanpur, U.P. -
247121, India

Summary

Programme:	Master of Arts (Hindi)
Course Level:	PG Degree
Duration:	ONE years **(TWO semesters)** Full Time
Medium of Instruction:	Hindi
Minimum Required Attendance :	75%

Glocal University, Saharanpur
एम0ए0 (हिन्दी)
(शैक्षणिक सत्रः 2025–26 से प्रारम्भ)

पाठ्यक्रम	एम0 ए0 हिन्दी
पाठ्यक्रम का स्तर	स्नातकोत्तर उपाधि
समयावधि	एक वर्ष (दो सेमेस्टर)
पढ़ाने का माध्यम	हिन्दी
न्यूनतम उपस्थिति	**75%**

मूल्यांकन प्रणाली**:**

	आन्तरिक	बाह्य	कुल
लिखित	20	75	100
लघु शोध प्रबन्ध एवं मौखिक	--	100	100

प्रस्तावना :

एम. ए. हिन्दी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन तथा शोध की उत्कण्ठा विकसित करना है। ज्ञान की शाखाओं के साथ–साथ आज विश्व को सजग, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्तित्व की आवश्यकता है जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरूद्ध समानता और बन्धुत्व के भाव की स्थापना कर सके। साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस सन्दर्भ में विस्तार देता है। मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा, समालोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धान्तिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं। इस प्रकार एम. ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है। पाठ्यक्रम की संरचना इस बात की इजाजत भी देती है कि वह मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम में अपनी इच्छा से भिन्न विषयों को पढ़ सके।

उद्देश्य :

एम. ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक के पश्चात विषयों के गम्भीर अध्ययन की ओर प्रेरित करना है। एम. ए. पाठ्यक्रम को 2 सेमेस्टर में विभाजित करते हुए 40 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट कार्य का भी प्रावधान है जिससे भविष्य में शोध की राहें भी सुगम हो सकें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है। जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सकें साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन, और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके। भाषा विज्ञान, शैली विज्ञान, अनुवाद, सौन्दर्यशास्त्र, जनसंचार, हिन्दी साहित्य, भारतीय साहित्य और प्रयोजन मूलक, आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थी के क्षितिज का विस्तार करने में सहायक है।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगें–

PSO1 इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने सिखाने की प्रक्रिया में हिन्दी भाषा के प्रारम्भिक स्तर से अब तक बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

PSO2 भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।

PSO3 उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे सम्बंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

PSO4 छात्र हिन्दी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।

PSO5 व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके।

PSO6 हिन्दीके अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी रहेगा छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।

PSO7 साहित्य के माध्यम से सौन्दर्य बोध, नैतिकता, पर्यावरण और सामाजिक समरसता संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।

PSO8 साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

PSO9 साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भो से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख एवं पहचान सकें।

PSO10 साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में हिन्दी के दखल की जानकारी देकर मीडिया के प्रति रसास्वादन का निर्माण करना।

PSO11 प्राचीन और नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्य सिद्धान्तों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्ययन विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

PROGRAMME OUTCOMES:

PO1 हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत करानाहै।

PO2 विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोजगार प्राप्त कर सकें।

PO3 हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों ,कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों ,निबन्धकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्याथी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना और राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में साहित्य के महत्व को समझना है।

PO4 भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना है।

PO5 विद्यार्थियों को साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना है।

PO6 हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुडे कवियों की रचनाओं के माध्यम से भारतीय विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता औरमहानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में साहित्य के महत्व को समझना है।

PO7 विद्यार्थियों को भाषा के अंगों हिन्दी भाषा के उदभव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

PO8 विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

PO9विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगाार कौशल प्राप्त होगा और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO10भाषा को शुद्ध बोलना, पढ़ना और लिखना आदि का विकास होता हैं ।

PO11हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए व इसकी महत्ता को समझने की क्षमता में वृद्धि होती हैं

PO12साहित्य के मूलभूत स्वरूप यथा विभिन्न विधाओ, हिन्दी के रोजगाारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे

Uttar Pradesh NEP-2020 P.G. Course Structure aligned with FYUGP of UGC								
Master of Arts- Hindi, Semester-I/IX								
(One Year Program)								
Course Code	**Course Title**	**Teaching Load**				**Evaluation Scheme**		**Total**
		L	**T**	**P**	**Credits**	**Internal**	**End Sem.**	
A010901T	Adhunik Hindi Sahitya	4	0	0	4	25	75	100
A010902T	Bharatiye Natya Sahitya Evam Rangmanch	4	0	0	4	25	75	100
A010903T	Bhartiya Evam Pashchatya Kavya Shastra Tathaa Hindi Samalochana	4	0	0	4	25	75	100
A010904T	Rangmach Sidhanth Aur Etihas	4	0	0	4	25	75	100
Research Project/Dissertation as per Point 7.4/7.9								
A010905R	**Research Project/Dissertation**	0	0	4	4	--	100	100
Total Credit					**20**	**100**	**400**	**500**

Uttar Pradesh NEP-2020 P.G. Course Structure aligned with FYUGP of UGC								
Master of Arts- Hindi, Semester-II/X								
(One Year Program)								
Course Code	**Course Title**	**Teaching Load**				**Evaluation Scheme**		**Total**
		L	**T**	**P**	**Credits**	**Internal**	**End Sem.**	
A011001T	Adhunik Kavya	4	0	0	4	25	75	100
A011002T	Chayavadottar Kavya	4	0	0	4	25	75	100
A011003T	Sahitya Nivadhan	4	0	0	4	25	75	100
A011004T	Hindi Bhasha Shikshan	4	0	0	4	25	75	100
Research Project/Dissertation as per Point 7.4/7.9								
A011005R	**Research Project/Dissertation**	0	0	4	4	-----	100	100
Total Credit					**20**	**100**	**400**	**500**

प्रथम सेमेस्टर का कुल क्रेडिट **20**

द्वितीय सेमेस्टर का कुल क्रेडिट **20**

TOTAL DEGREE CREDITS **40**

Glocal University, Saharanpur

Master of Arts- Hindi, Semester-I/IX

A010901T; आधुनिक गद्य साहित्य

उद्देश्य –जीवन के रहस्यों को, जीवन के अनुभवों को व्यक्त करने का कार्य उपन्यास ही करते है। कहानी का उद्देश्य मनोरंजन के साथ–साथ उससे शिक्षा प्राप्त करना होता है निबंध का उद्देश्य किसी विषय वस्तु को तर्क और तथ्यों के ढांचे में फिट करके उसे व्यवस्थित रूप देना है ताकि उस विषय–वस्तु को और अधिक गहराई से समझा जा सके जो विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करती है।

इकाई – (1) उपन्यास –:

गोदान (मुंशी प्रेमचन्द)

इकाई – (2) निबन्ध –:

कविता क्या है (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

मजदूरी और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह)

इकाई – (3) कहानी –:

उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)

कफन (मुंशी प्रेमचन्द)

परिन्दे (निर्मल वर्मा)

आकाश दीप (जयशंकर प्रसाद)

इकाई – (4) द्रुतपाठ –: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, लक्ष्मीनारायण मिश्र, हरिकृष्ण प्रेमी

पाठयक्रम के परिणाम **(course outcomes)** –इस पाठयक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे

CO1 उपन्यास के माध्यम से भारत में स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत करना जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO2 हिंदी निबंधकारों के विभिन्न विचारों का अध्ययन करना।

CO3 काव्य में निहित भाव को अपने परिवेश से जोड़ कर देख पाना और उद्यमिता और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

CO4 हिंदी लघुकथाओं की साहित्यिक प्रवृत्तियों का अध्ययन करना।

PO-CO Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1
CO3	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थः

सुधाकर, कहानी संग्रह, विमल प्रकाशन मंदिर, आगरा ।
त्रिलोकी, निबंध संकलन, रंजना पब्लिकेशन्स, आगरा ।

Website sources –

- www.hi.thpanorama.com
- www.hi.m.wikipedia.org
- www.brainly.in>hindi

Glocal University, Saharanpur
Master of Arts- Hindi, Semester-I/IX

A010902T; भारतीय नाट्य साहित्य एवं रंगमंच

उद्देश्य –भारतीय नाट्य साहित्यों का उद्देश्य उच्च साहित्यिक मानदंड स्थापित करना व भारतीय भाषाओं और भारत में होने वाली साहित्यिक गतिविधियों का पोषण और समन्वय करना हैं और उद्यमिता और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

|इकाई – (1) नाटक तथा रंगमंच का स्वरूप।

नाट्य भेद–भारतीय रूपक–उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय)

इकाई – (2) नाट्य विधान : भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन

रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग सम्प्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)

रंगमंच–लोक नाट्य पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, प्रमुख सरकारी संग संस्थाएँ, नुक्कड़ नाटक।

इकाई – (3) चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
लहरों के राजहंस – मोहन राकेश
अंधायुग – धर्मवीर भारती

इकाई – (4) एकांकी
प्रकाश और परछाई – विष्णु प्रभाकर

दुतपाठ –: रामकुमार वर्मा, उदयशंकर भट्ट, जगदीशचन्द्र माथुर,

निर्देश–

पाठयक्रम के परिणाम **(course outcomes)-**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे

CO1 नाट्य साहित्य से मनोरंजन एवं छात्रों का सार्वभौम विकास है।

CO2 नाट्य से साहित्यिक अभिक्षमता का विकास होता है बल्कि इस एक विधा से अन्य विधाओं जैसे कविता, कहानी का कल्पना लोक भी जुड़ता हैं ।

CO3रंगमंच के निर्माण से छात्र परिचित हो सकेंगे और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

CO4नाट्य साहित्य से मनोरंजनं एवं छात्रों का कौशल विकास होता है जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1
CO3	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1–द्विवेदी, हजारी प्रसाद, नाट्य, शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2–चतुर्वेदी, सीताराम, अभिनव नाट्य शास्त्र प्रकाशन, आगरा ।

Website sources –

- www.hi.m.wikipedia.org
- www.meerut.prarang.in
- www.sg.inflibnet.ac.in

Glocal University, Saharanpur
Master of Arts- Hindi, Semester-I/IX

A010903T; भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिन्दी समालोचना

उद्देश्य –काव्य शास्त्र का मुख्य उद्देश्य है रचना की आंतरिक प्रेरणा शक्ति। इसको समझने केलिए चार क्रमों का निर्धारण किया गया है– प्रयोजन, अधिकारी, संबंध और विषय वस्तु जो विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करती है।

इकाई – (1) भारतीय काव्य शास्त्र–:
- काव्य के प्रयोजन
- काव्य के लक्षण
- काव्य हेतु

इकाई – (2) (क) रस सिद्धान्त अलंकार एवं वक्रोक्ति –:
- रस का स्वरुप, रस निष्पत्ति
- रस के अंग
- अलंकारों का वर्गीकरणऔर प्रकार
- वक्रोक्ति सिद्धान्त, वक्रोक्ति की परिभाषा
- वक्रोक्ति के भेद
- वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजना

इकाई – (3) प्लेटो का काव्य सिद्धान्त

- अरस्तु का अनुकरण सिद्धान्तः त्रासदी विवेचन
- लॉजाइनेस के उदात्त की आधारणा
- ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
- वर्डसवर्थ का काव्य भाषा का सिद्धान्त
- कालरिजःकल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

इकाई – (4) समालोचना का स्वरुप एवं प्रवृत्तियॉ –:

- समालोचना का उद्‌भव और विकास
- समालोचना की उपयोगिता
- अच्छे समालोचक में अपेक्षित विशेषताएँ
- समालोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ – शास्त्रीय व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय।

पाठयक्रम के परिणाम **(course outcomes)** –इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने वाले छात्र सक्षम होंगे।

CO1 काव्य के प्रयोजन,लक्षण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

CO2 रस, अलंकार का काव्य में प्रयोग करना, पाश्चात्य काव्य के बारे में जानना और समालोचना की उपयोगिता,प्रवृत्तियाँ के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

CO3 काव्य में निहित भाव को अपने परिवेश जोड़कर देख पाना।

CO4 भाषा की वर्तमान स्थिति और समस्याएँ के बारे में जानकारी प्राप्त कर भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र में अंतर सकेंगे जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1
CO3	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1.शुक्ल,रामचन्द्र,रस मीमांसा,नागरी प्रचारिणी सभा,काशी ।

2.शुक्ल,उषा,भारतीय काव्य शास्त्र,कैलाश पुस्तक सदन,भोपाल ।

Website Sources –

- www.hi.m.wikipedia.org
- www.hindisahity.com
- www.shwetashindi.blogspot.com

Glocal University, Saharanpur
Master of Arts- Hindi, Semester-I/IX

A010904T रंगमंच सिद्धान्त और इतिहास

उद्देश्य –भारतीय नाट्य साहित्यों का उद्देश्य उच्च साहित्यिक मानदंड स्थापित करना व भारतीय भाषाओं और भारत में होने वाली साहित्यिक गतिविधियों का पोषण और समन्वय करना हैं और उद्यमिता और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

इकाई 1 : संस्कृत और पारंपरिक रंगमंच का स्वरूप, प्रमुख पारंपरिक नाट्य–रूप : रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी, ख्याल आदि

इकाई 2 : भरत, स्तानस्लॉवस्की, बर्तोल्त ब्रेख्त के अभिनय– सिद्धान्त

इकाई 3 : भारतेन्दु, हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश का रंगमंच–संबंधी चिंतन

इकाई 4 : हिंदी रंगमंच का इतिहास व्यावसायिक ;पारसी थियेटर, अव्यावसायिक, ;पृथ्वी थियेटर, इप्टा पेशेवर, शौकिया, आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक

पाठय

पाठयक्रम के परिणाम **(course outcomes)-**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे।

CO1नाट्य साहित्य से मनोरंजन एवं छात्रों का सार्वभौम विकास है। इसमें न सिर्फ साहित्यिक अभिक्षमता का विकास होता है बल्कि इस एक विधा से अन्य विधाओं जैसे कविता,कहानी का कल्पना लोक भी जुड़ता हैं।

CO2 नाटक में भाग लेना एवं नाटक देखना दोनों ही क्रियायें बच्चों में आलोचनात्मक चिंतन एवं उनके सौंदर्य बोध को बढ़ाती हैं।

CO3नाट्य शिक्षा बालक के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण गतिविधियॉ हैं जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO4 रंगमंच के निर्माण से छात्र परिचित हो सकेंगे और उद्यमिता और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1
CO3	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

द्विवेदी, हजारीप्रसाद, नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

चतुर्वेदी, सीताराम, अभिनव नाट्यशास्त्र प्रकाशन आगरा ।

Website sources –

- www.hi.m.wikipedia.org
- www.meerut.prarang.in
- www.sg.inflibnet.ac.in

Glocal University, Saharanpur

Master of Arts- Hindi, Semester-I/IX

A010905R ; शोध परियोजना/प्रबंध / RESEARCH PROJECT/DISSERTATION

शोध कार्य का स्वरूप:
विद्यार्थी किसी स्वीकृत विषय पर मार्गदर्शक के निर्देशन में 8,000–10,000 शब्दों का शोध-प्रबंध तैयार करेंगे। शोध में प्रस्तावना, उद्देश्य, पद्धति, विश्लेषण, निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची शामिल होगी।

मूल्यांकन (केवल बाह्य): 100 अंक

- शोध-प्रबंध मूल्यांकन
- मौखिक परीक्षा (Viva-Voce)

सीखने के परिणाम:
स्वतंत्र शोध क्षमता, साहित्यिक विश्लेषण कौशल तथा अकादमिक लेखन की योग्यता विकसित होगी।

Glocal University, Saharanpur

Master of Arts- Hindi, Semester-II/X

A011001T आधुनिक काव्य

उद्देश्य–कामायनी का उद्देश्य है– समरसता के द्वारा आनंद की प्राप्ति, भावनाओं और दृष्टिकोणों का समन्वय ही समरसता है। साकेत का मुख्य उद्देश्य समष्टिगत कल्याण करना है।

इकाई – (1) कामायनी : जयशंकर प्रसाद (चिन्ता और इड़ा सर्ग)

इकाई – (2) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (राम की शक्तिपूजा)
मैथिली शरण गुप्त का 'साकेत' (नवम सर्ग)

इकाई – (3) महादेवी वर्मा (संधिनी)

व्याख्या भाग –16, 22, 23, 31, 37, 45, 57

इकाई – (4) द्रुतपाठ –

धर्मवीर भारती

अज्ञेय

नागार्जुन

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes)**-इस पाठयक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे

CO1 काव्य को पढ़कर उसके मुख्य भाव और अर्थ को समझना काव्य में निहित भाव को अपने परिवेश से जोड़कर देख पाना

CO2 साकेत का मुख्य उद्देश्य समष्टिगत कल्याण करना है।

CO3 कामायनी का परिणाम है –समरसता के द्वारा आनंद की प्राप्ति भावनाओं और दृष्टिकोणों का समन्वय ही समरसता है।

CO4 कल्पनाशीलता को बढ़ाना, काव्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना और स्वयं काव्य लिखने के लिए प्रेरित होना

PO-CO Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	3	1	1	2	1	2	1	3	1	2	1	2
CO2	1	3	1	2	3	1	1	3	1	3	1	2
CO3	1	1	3	2	2	1	1	1	3	1	3	3
CO4	1	1	1	3	1	1	3	1	1	1	1	3

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	2	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. तिवारी, अशोक, हिन्दी साहित्य, संजना प्रकाशन, आगरा ।
2. प्रेमी, गंगासहाय, अधतन काव्य, रंजना प्रकाशन, आगरा ।

Website sources-

- www.Archive.mv.ac.in
- www.hi.m.wikipedia.org
- www.hindisamay.com
- www.hindisahityadarpan.com

Glocal University, Saharanpur

Master of Arts- Hindi, Semester-II/X

A011002T छायावादोत्तर काव्य

उद्देश्य –छायावादोत्तर काल के कवियों में रहस्यवादी बनकर बोलने की प्रवृति अत्यंत अल्प है। काव्य के मुख्य विषय प्रेम, विरह, प्रकृति तथा समाज और राष्ट्र हो गए है।

इकाई – (1) अज्ञेय – कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी।
मुक्तिबोध – ॲधेरे में पूंजीवादी समाज के प्रति

इकाई – (2) नागार्जुन – कालिदास, बहुत दिनों बाद, अकाल और उसके बाद।
केदारनाथ अग्रवाल –फूल नहीं रंग बोलते है।

इकाई – (3) छायावादोत्तर कालावधि – राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का काव्य, व्यक्तिवादी काव्य, हालावाद
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,
समकालीन कविता, नवगीत, अकविता,
जनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई – (4) द्रुतपाठ

शिवमगल ससह

'समन' दष्यन्त कमार

रघवीरसहय

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes)-**

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र–छात्राएँ सक्षम होंगे।

CO1 नई कविताओं में नए भाव बोधों की अभिव्यक्ति के साथ ही नये मूल्यों और नए शिल्प विधान के अन्वेषण को समझेंगे।

CO2 सामाजिक यथार्थवाद को प्रतिष्ठित करने के कारण प्रगतिवाद के बारे में जानना और उसकी प्रवृत्तियाँ के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

CO3 काव्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

CO4 काव्य में निहित भाव को अपने परिवेश जोड़कर देख पाना।

PO-CO Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	2	2	1	2	2	2	3	1	2	1	2	3
CO2	2	3	1	2	3	2	2	1	1	2	1	1
CO3	2	1	2	1	2	1	1	2	1	2	1	1
CO4	2	1	2	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. तिवारी, अशोक, हिन्दी साहित्य, संजना प्रकाशन, आगरा ।
2. प्रेमी, गंगासहाय, अधतन काव्य, रंजना प्रकाशन, आगरा ।

Website sources-

- www.Archive.mv.ac.in
- www.hi.m.wikipedia.org
- www.hindisamay.com
- www.hindisahityadarpan.com

Glocal University, Saharanpur
Master of Arts- Hindi, Semester-II/X

A011003T साहित्यिक निबंध

उद्देश्य –निबंध गद्य लेखन की एक कला है। इसका उद्देश्य किसी विषय की तार्किक और बौद्धिक विवेचना करने वाले लेखों में किया जाता है। आज सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और वैज्ञानिक विषयों पर निबंध लिखे जाते है। संसार का हर विषय, हर वस्तु, व्यक्ति एक निबंध का केंद्र हो सकता है।

1. हिंदी साहित्यि का काल विभाजन
2. रस शनष्पशत शसद्ात और ्याख्या
3. स ाध ारणीकरण
4. का्य में सत्यम्शा् िवम, सन्दरम
5. कला, कला क शलए
6. रहस्यव ाद और सहृदी
7. कशवत ा छाय ावाद
8. हिंदी गीशतका्य : स्वरुप और शवकास
9. हिंदी समालोचन ा : स्वरुप उदभव और शवकास
10. हिंदी क आचशलकउपन्यास: स्वरुप उदभव और शवकास

शनदि :-

ददएगय शनबन्ध ो में स दकन्ही द ो शनबन्ध ों क ावो स्त ार स शलशिए 35X2=70

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र/छात्राएँ सक्षम होंगे।

CO1- निबंध के द्वारा छात्र सभी क्षेत्रों में सफल विचार–विमर्श के लिए श्रेष्ठ निबंध लेखन का और सीखने का प्रयास करेंगे।

CO2-निबंध लेखन आपके विचारों के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	3	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	3	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थः

1. सुधाकर, कहानी संग्रह, विमल प्रकाशन मंदिर, आगरा ।
2. त्रिलोकी, निबंध संकलन, रंजना पब्लिकेशन्स, आगरा ।

Website sources-

- www.pustak.org
- www.essayinhindi.com
- www.pkvtechnical.com

Glocal University, Saharanpur

Master of Arts- Hindi, Semester-II/X

A011004T हिंदी भाषा–शिक्षण

उद्‌्‌य– हिन्दी को तकनीकी की भाषा बनाना। हिन्दी में ज्ञान विज्ञान को बढ़ावा देना।हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए इसकी महत्ता को समझने की क्षमता में वृद्धि करना। हिन्दी भाषा में उच्च शिक्षा प्रदान करना जो विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करती है।

इकाई–1 : भाषा–शिक्षण :

अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और भाषा–शिक्षण का सबंधं
भाषा विशेष का व्याकरण और शैक्षिण व्याकरण
भाषा–अर्जन, भाषा अधिगम और भाषा–शिक्षण

इकाई–2 : भाषा–शिक्षण और भाषा

मातृभाषा–संकल्पना, अर्थ और महत्त्व
मातृभाषा–शिक्षण के उदद्श्येय
अन्य भाषा ;द्वितीय भाषा
द्वितीय भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व
अन्य भाषा–शिक्षण की प्रमुख विधियाँ
व्याकरण–अनुवाद विधि प्रत्यक्ष विधि
संरचना–विधि तथा श्रवण–भाषण–विधि
विदेशी भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

इकाई–3 : पाठ–नियोजन : सिद्धांत और प्रकिया

पाठ–नियोजन का अर्थ और महत्त्व

इकाई–4 : पाठ के प्रकार

पाठ–संकेत–निर्माण की प्रारंभिक आवश्यकताएँ
विविध पाठों के पाठ–नियोजन की प्रक्रिया

पाठयक्रम के परिणाम (**course outcomes)-**

इस पाठयक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे ।

CO1 कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी भाषा का समग्र ज्ञान प्राप्त करना जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO2 भाषा की वर्तमान स्थिति और समस्याएँ के बारे में जानकारी प्राप्त कर भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र में अंतर कर सकेंगे।

CO3 हिंदी की वाक्य रचना जानने के लिए छात्र सक्षम होंगे जो विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करती है।

CO4 राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास देवनागरी लिपि का नामकरण और वर्तमान संदर्भ में उसकी सार्थकता काव्यभाषा के रूप में हिन्दी की बोलियों का विकास का ज्ञान प्राप्त करना।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1
CO3	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. दिनकर, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता उदयांचल प्रकाशन, पटना ।
2. दुबे, राजनारायण, राजभाषा के आन्दोलन में, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
3. भटनागर, राजेन्द्र मोहन, राष्ट्रभाषा और हिन्दी, के0 हि0 संस्थान, आगरा ।
4. राय, रामदरस, भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।

Website sources –

1. www.wikiepidia.org
2. www.facebook.com.
3. www.microsoft.com

Glocal University, Saharanpur
Master of Arts- Hindi, Semester-II/X

A011005R ; शोध परियोजना/प्रबंध / RESEARCH PROJECT/DISSERTATION

शोध कार्य का स्वरूप:
विद्यार्थी किसी स्वीकृत विषय पर मार्गदर्शक के निर्देशन में 8,000–10,000 शब्दों का शोध-प्रबंध तैयार करेंगे। शोध में प्रस्तावना, उद्देश्य, पद्धति, विश्लेषण, निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची शामिल होगी।

मूल्यांकन (केवल बाह्य): 100 अंक

- शोध-प्रबंध मूल्यांकन
- मौखिक परीक्षा (Viva-Voce)

सीखने के परिणाम:
स्वतंत्र शोध क्षमता, साहित्यिक विश्लेषण कौशल तथा अकादमिक लेखन की योग्यता विकसित होगी।